

अगले पांच साल में आइआइटी में कई विषयों में यूजी-पीजी कोर्स होंगे शुरू

करीब 500 करोड़ से संस्थान के विस्तार को लेकर निर्माण कार्य होंगे

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आइआइटी इंदौर) में 2024 को लेकर कार्ययोजना बनाई है। इसके तहत अगले पांच साल के भीतर विभिन्न क्षेत्र से जुड़े विषयों में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। जल्द ही पाठ्यक्रम को तैयार करने की प्रक्रिया शुरू किए जाएंगे। अर्थशास्त्र, इंडस्ट्रियल डिजाइन, इंडस्ट्रियल केमिस्ट्री, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार जैसे विभिन्न विषयों में यूजी होंगे, जबकि पीजी कार्यक्रमों में साइबर सुरक्षा, डाटा विज्ञान, अर्थशास्त्र, इंडस्ट्रियल डिजाइन है। ये पाठ्यक्रम उद्योगों को ध्यान में रखकर बनाए जाएंगे।

संस्थान के निदेशक प्रो. सुहास जोशी के मुताबिक एक नया इलेक्ट्रिक मैकेनिज्म भी शुरू करेंगे, जिसमें प्रथम वर्ष से ही छात्रों के पास इलेक्ट्रिक चुनने के लिए दो बास्केट होंगे। इन्हें बड़े पैमाने पर सोसाइटील बास्केट और प्रोफेशनल बास्केट में बांटेंगे। सोसाइटील बास्केट में उद्योग, डिजाइन थिंकिंग, रूरल इमर्शन आदि शामिल होंगे, वहीं प्रोफेशनल बास्केट



आइआइटी इंदौर। • फाइल फोटो

में एआइ, एमएल, क्वांटम प्रौद्योगिकी और उद्यमिता शामिल होगी।

नए साल के पहले दिन निदेशक प्रो. जोशी ने विद्यार्थियों को संबोधित किया और 2024 को लेकर विजन के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि 496 करोड़ रुपये के तीसरे चरण के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी गई है और जल्द ही इस क्षेत्र में निविदाएं खुल जाएंगी। अमृत सरोवर झील और ओलंपिक स्तर की आउटडोर खेल सुविधाओं का निर्माण होगा, जिसमें एक फुटबाल मैदान, 400 मीटर सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक, हाकी मैदान, लान टेनिस कोर्ट, वालीबाल कोर्ट और बैठने की गैलरी शामिल हैं, जून 2024 तक पूरा होने की संभावना

है। पीएम-अजय बाबू जगजीवन राम छात्रावास योजना के तहत 250 छात्रों के लिए छात्रावास बनाया जाएगा। वे बताते हैं कि परिष्कृत लैब कॉम्प्लेक्स, अकादमिक पाड, उत्कृष्टता केंद्र, हास्टल, आवासीय परिसर और स्टूडियो अपार्टमेंट शामिल होंगे। इस दौरान निदेशक ने संस्थान को पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर दीपक फाटक और इसरो तथा अंतरिक्ष आयोग के पूर्व अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग के सचिव डा. के सिवन को शासी मंडल के मौजूदा अध्यक्ष के बारे में जानकारी दी। वे बताते हैं शैक्षणिक स्तर पर संस्थान ने एक समय में 10 शैक्षणिक पाठ्यक्रम शुरू करके इतिहास रचा है।